

Ἦχος γ'
Κανών Αναστάσιμος

Γλῶσζ ᾠ.
Κανώνηζ βοικρήνηζ.

Štruktúrovaný text *grécky a cirkevnoslovanský*

Ωδή α' / Пѣнь 1

Ο τά ὑδάτα πάλαι, 7
νεύ-μα-τι θείω, 5
εις μίαν συναγωγὴν συναθροίσας, 11
καί τεμών * θάλασσαν 6 Ισραηλίτη * λαώ, 7
ούτος ο Θεός ημών, 7 δεδοξασμένος υπάρχει, 8
αυτώ μόνω άσωμεν, 7 ότι δεδόξασται. 6

Воды древле, мліиємъ бжєтвеннымъ,
во ѣдїно сїмїице совоκдїиєи,
ї ραδѣлїиєи * мѳре іїлѣтѣиєи * лїдємъ,
єї бгъ нїшъ, прєпрєлїєнъ ѣтѣ:
то мѣ ѣдїно мѣ поїиє, їκω прєлїєиє.

Ο τήν γήν κατακρίνας, 7 τώ παραβάντι, 5
ιδρώτος φέρειν καρπόν τάς ακάνθας, 11
ακανθών * στέφανον 6 εκ παρανόμου * χειρός, 7
ούτος ο Θεός ημών, σωματικώς δεδεγμένος,
τήν κατάραν έλυσεν, ότι δεδόξασται.

Їже зємлю ѡдѣнєъ, прєтѣплѣшє мѣ
пѳтомъ ѡзнертї пладї тѣрїиє,
ѡ тѣрїиє * вѣнєцъ ѡ ρδїи * законοпрєтѣпнїє,
єї бгъ нїшъ, плѳтїєи прїємїи,
κλѣтѣδ ραδѣлїиє ѣтѣ: їκω прєлїєиє.

Νικητής τροπαιούχος, 7 κατά θανάτου, 5
ο θάνατος δεδοικώς ανεδείχθη, 11
παθητήν * σάρκα γάρ, εμψυχωμένην * λαβών,
ούτος ο Θεός ημών, καί συμπλακείς τώ τυράννω,
πάντας συνανέστησεν, ότι δεδόξασται.

Пѳѣдїтєлѣ ї ѡдолѣтєлѣ ємєртї,
їже ємєртї ογβοάєиє, їβїиє:
єтρїєтнїю * во плѳтѣ ѡδѣшєвлєннїю * прїємъ,
єї бгъ нїшъ, ї βρїєиє єз мѣчїтєлємъ,
єє совоκρїиє: їκω прєлїєиє.

Αληθή Θεοτόκον, 7 πάντα τά έθνη, 5
δοξάζει σε τήν ασπύρωσ τεκούσαν, 11
υποδύς * μήτραν γάρ ηγιασμένην * τήν σήν,
ούτος ο Θεός ημών, τό καθ' ημάς ουσιώθη,
καί Θεός καί άνθρωπος, εκ σου γεγέννηται.

Їєтнннїю єѣδъ єиє їзбїиєи
єлїєлѣтѣ тѣ, βєз ѣѣмєнє ρѳждшїю:
єшєдъ * во во ογтρѳѳѣ ѡβєлѣннїю * тѣοι,
єї бгъ нїшъ, ѣже по нїиє ѡδѣцєтѣοβїє,
бгъ же ї чєлѳѣєєз їз тѣє ροδїє.

Ωδή ς' / Пѣнь 5

Άβυσσος * εσχάτη αμαρτιών εκύκλωσέ με, 3+3+4+5
καί εκλείπει τό πνεύμά μου, 8

αλλ' εκτείνας Δέσποτα, 7
σόν υψηλόν βραχίονα, 8
ως τόν Πέτρον με, 5
κυβερνήτα διάσωσον. 8

И́ЗДАНА * ПОСЛѢДНАА * ГРѢΧΩΒЪ / ѠБЫДЕ МЛ,
и́ ИСЦЕЛѢТЕЦЪ * ДѢХЪ МОИ:
НО ΠΡΟΣΤΡΕΪΗ ΒΛΙΚΟ ВИСОКЪ ТВОЮ МЫШЦѢ,
ѦКЪ ПЕТРА МЛ ѠПРЯВЕНТЕЛЮ СПЕИ.

Άβυσσος * ελέους καί οικτιρμών, εκύκλωσέ με,
τή ευσπλάγχνω καθόδω σου,
σαρκωθεις γάρ Δέσποτα, καί γεγονώς εν δούλου μορφή, 9
εθεούρησας, καί σεαυτώ συνεδόξασας.

И́ЗДАНА * МЛТИ * и́ ЦЕДРОТЪ / ѠБЫДЕ МЛ,
БЛГОДѢТРОБИМЪ * ИНИТЪЕМЪ ТВОИМЪ:
ВОПЛОЦЕНА БО ВЛИКО, и́ БЫВЪ БЪ РЪИИ ЗРАЦѢ
ѠБОЖИЛЪ СЕИ, БЪ БОГОЮ БОПРОВАЛЕНЪ.

Νέκρωσιν * υπέστη ο νεκρωτής, τόν νεκρωθέντα
ζωωθέντα Θεώμενος,

τής σής Αναστάσεως, ταύτα Χριστέ τά σύμβολα,
καί τού Πάθους σου, τού αχράντου τά έπαθλα.

Ѡ҆МЕРЦВЛѢНІЕ * ПОДЪТЪ * Ѡ҆МЕРТВѢНТЕЛЪ, / Ѡ҆МЕРЦВЛѢНАГО
Ѡ҆ЖИВЛѢННО БИДА:
ТВОЕГѠ БОИСРѢИЛА СІИ СДѢТЬ ХРІТѢ ѠБРАЗЪ,
и́ СТРѢТН ТВОЕЛ ПРѢЧТЪІА ПОБѢДІТѢЛЬНАА.

Πάναγνε * η μόνη τώ πλαστοουργώ, καί τοίς ανθρώποις,
υπέρ νούν μεσιτεύσασα,

τόν Υιόν σου ίλεων, τοίς επταικόσι δούλοις σου,
καί υπέρμαχον, χρηματίσαι δυσώπησον.

ПрѢЧТЛА, * ѦЖЕ СДІИНА * СОЗДАТЕЛЮ / и́ ЧЕЛОВѢКЪМЪ,
ПЪЧЕ Ѡ҆МЛ ИСХОДАТНЕНШАА,
СІА ТВОЕГѠ МЛТНВА ПРѢГРѢШШЫМЪ РБѠМЪ ТВОИМЪ,
и́ ПОБОРНИКА БЫТН, ПОМОЛІЕА.

Ὡδή θ' / Πένη Δ

Καινόν τό θαύμα 5 καί θεοπρεπές! 5
τής Παρθένου γάρ 5 τήν κεκλεισμένην πύλην σαφώς 9
διοδεύει Κύριος, 7 γυμνός εν εισόδω, 6
καί σαρκοφόρος ώφθη 7 εν εξόδω Θεός, 6
καί μένει η πύλη κεκλεισμένη, 10
ταύτην αφράστως, 5
ως Θεομήτορα μεγαλύνομεν. 11

Нόβοє чѣдо ѡ бѣлѣпноє,
дѣи́иєӣкѣю во двѣрь зѣтѣорѣн̄д̄ю ѡбѣ
проχόдн̄тѣ гд̄ь, н̄гъ во вхόдѣ,
ѡ πλοτ̄ονόεєцѣ ѡβѣса во ѡχόдѣ б̄гъ,
ѡ прєбыв̄л̄єтѣ двѣрь зѣтѣорѣна:
є̄п̄ο нєн̄зрєч̄єн̄н̄ω,
ѡκω б̄г̄ом̄т̄р̄ь κєл̄н̄ч̄л̄єμ̄з.

Φρικτόν ιδέσθαι σέ τόν ποιητήν,
επί ξύλου X4 αναρτηθέντα Λόγε Θεού,
σαρκικώς δέ πάσχοντα, 7 Θεόν υπέρ δούλων, 6
καί εν μνημείω άπνουν κατακείμενον, 5
νεκρούς δέ τού άδου λευκότα,
όθεν Χριστέ σε,
ως παντοδύναμον μεγαλύνομεν. 11

Стр̄ашно̄ є̄стѣ зр̄ѣт̄и тєб̄є тѣор̄ц̄а
на др̄євѣ во зѣв̄н̄жєна слόбє б̄ж̄їѡ,
плόт̄иєӣ жє стр̄аж̄д̄ца б̄г̄а за р̄єб̄ѣ,
ѡ во грόбѣ вєзд̄ыч̄л̄нна лєж̄л̄ца,
м̄р̄т̄в̄ыѣ жє ѡз̄̄л̄да р̄зр̄ѣш̄н̄в̄ша:
т̄ѣм̄жє т̄л̄ χ̄ρ̄т̄є,
ѡκω вєєч̄л̄ьна κєл̄н̄ч̄л̄єμ̄з.

Φθοράς θανάτου έσωσας Χριστέ,
τούς προπάτορας, 5 κατατεθείς εν τάφω νεκρός,
καί ζωήν εξήνθησας, νεκρούς αναστήσας,
χειραγωγήσας φύσιν τήν βροτείαν πρός φώς,
καί θείαν ενδύσας αφθαρσίαν,
όθεν πηγγήν σε,
φωτός αιζώου μεγαλύνομεν.

Нѣ тлѣ мѣртвыа еѣла єи хрѣтѣ
прѣотцѣ, положѣнъ бѣвъ во гробѣ мѣртвъ,
и живѣотъ проѣѣлъ єи, мѣртвыа воскресѣвъ,
рѣководѣнъ єртерѣво челоѣчеикоє ко свѣтѣ,
и въ бжѣтѣвннѣе ѡблѣкъ неглѣнѣ.
тѣмже негѣтѣннѣа тлѣ
свѣтѣа прѣнѣнѣо живѣгѣо велнчѣемъ.

Ναός καί θρόνος ώφθης τού Θεού,
εν ώ ώκησεν 5 ο εν υψίστοις πέλων τεχθείς
απειράνδρωσ Πάναγνε, σαρκός μη ανοίξας
όλως σου πύλας, όθεν ταίς αλήκτοις, σεμνή
λιταίς σου, τά φύλα τών βαρβάρων,
θάπτον εις τέλος,
τώ Βασιλεί ημών καθυπόταξον.

Χράμъ и прѣтѣлѣ іавѣлаєа єи бжѣтѣ,
бѣнѣже велѣлаєа иже въ бѣшннѣхъ єи, рождѣєла
ненекѣомѣжнѣо велѣтѣа, плѣтѣ тѣоєа не ѡбѣрѣзъ
вѣчѣекѣ вратѣ. тѣмже неперѣтѣннѣмѣн ѣтѣа
мѣтѣамѣн тѣоѣмѣн, іазѣкѣ вѣрварѣкѣа
екѣрѣо ѿѿѿ до конѣа покѣрѣнѣ.